जनपद बिजनौर

बिजनौर भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश का एक जिला है ।

जिले का मुख्यालय बिजनौर है ।

क्षेत्रफल - वर्ग कि.मी.- 6561

जनसंख्या - (2011 जनगणना) **3,682,713**

बिजनौर 5 तहसील का जिला है नजीबाबाद बिजनौर, चांदपुर, धामपुर, नगीना

Description	2011	2001
Actual Population	3,682,713	3,131,619
Male	1,921,215	1,651,908
Female	1,761,498	1,479,711
Population Growth	17.60%	27.59%
Area Sq. Km	4,561	4,561

Density/km2	807	687
Proportion to Uttar Pradesh Population	1.84%	1.88%
Sex Ratio (Per 1000)	917	896
Child Sex Ratio (0-6 Age)	883	905
साक्षरता - Average Literacy	68.48	58.08
Male Literacy	76.56	68.78
Female Literacy	59.72	46.10
Total Child Population (0-6 Age)	564,230	615,829
Male Population (0-6 Age)	299,659	323,186
Female Population (0-6 Age)	264,571	292,643
Literates	2,135,393	1,461,119
Male Literates	1,241,471	913,906
Female Literates	893,922	547,213
Child Proportion (0-6 Age)	15.32%	19.66%
Boys Proportion (0-6 Age)	15.60%	19.56%
Girls Proportion (0-6 Age)	15.02%	19.78%

बाह्री पक्ष

समुद्र तल से उचाई – 225 मी0

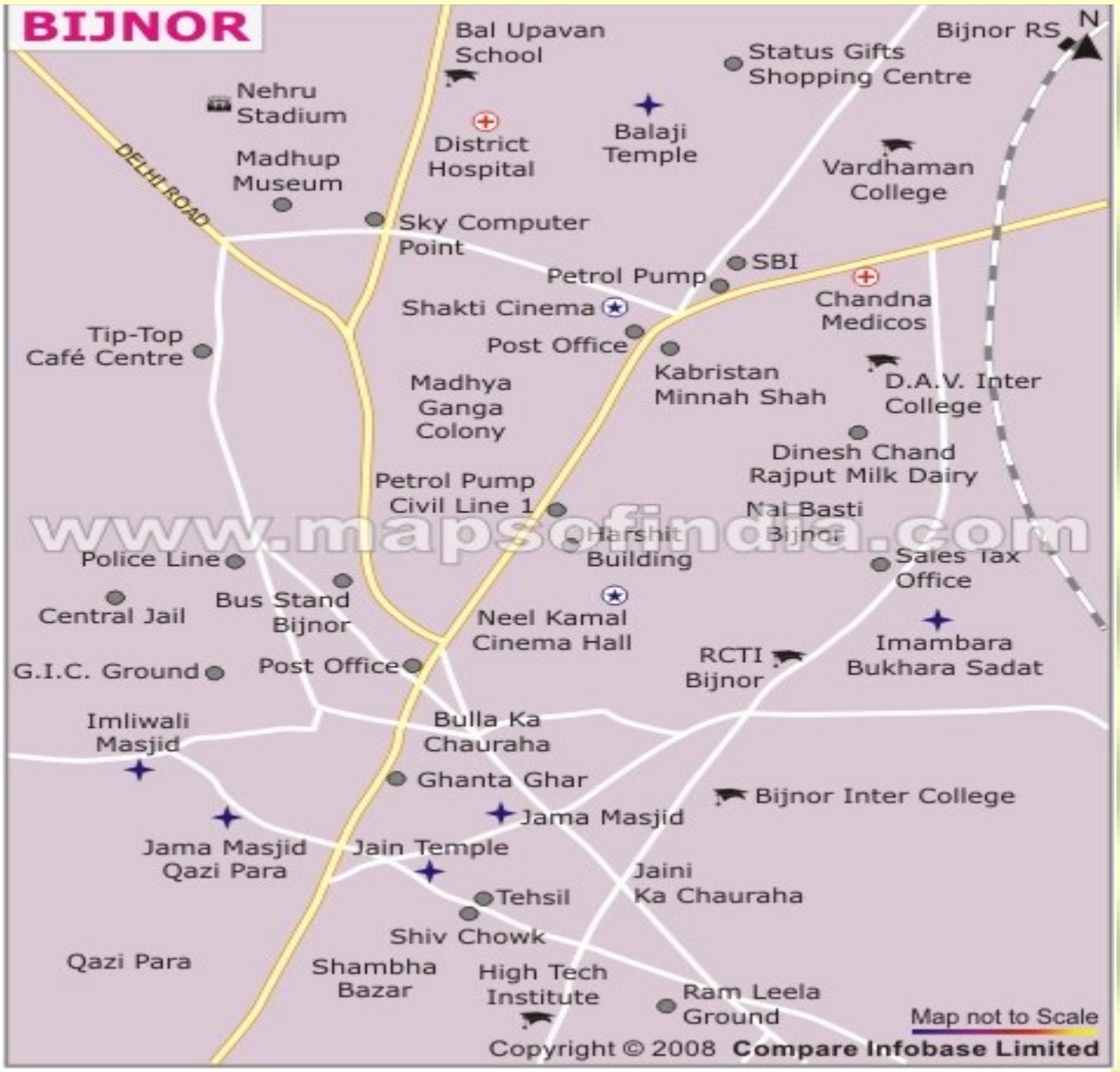

बिजनौर भारत के उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख शहर एवं लोकसभा क्षेत्र है। हिमालय की उपत्यका मे स्थित बिजनौर को जहाँ एक ओर महाराजदुष्यन्त, परमप्रतापी सम्राट भरत, परमसंत ऋषि कण्व और महात्मा विदुर की कर्मभूमि होने का गौरव प्राप्त प्राप्त है, वहीं आर्य जगत के प्रकाश स्तंभस्वामी श्रद्धानन्द, अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिकडॉ. आत्माराम, भारत के प्रथम इंजीनियरराजा ज्वालाप्रसाद आदि की जन्मभूमि होने का सौभाग्य भी प्राप्त है।

साहित्य के क्षेत्र में जनपद ने कई महत्त्वपूर्ण मानदंड स्थापित किए हैं। कालिदास का जन्म भले ही कहीं और हुआ हो, किंतु उन्होंने इस जनपद में बहने वाली मालिनी नदी को अपने प्रसिद्ध नाटक 'अभिज्ञान शाकुन्तलम्' का आधार बनाया। अकबर के नवरत्नों में अबुल फ़जल और फैज़ी का पालन-पोषण बास्टा के पास

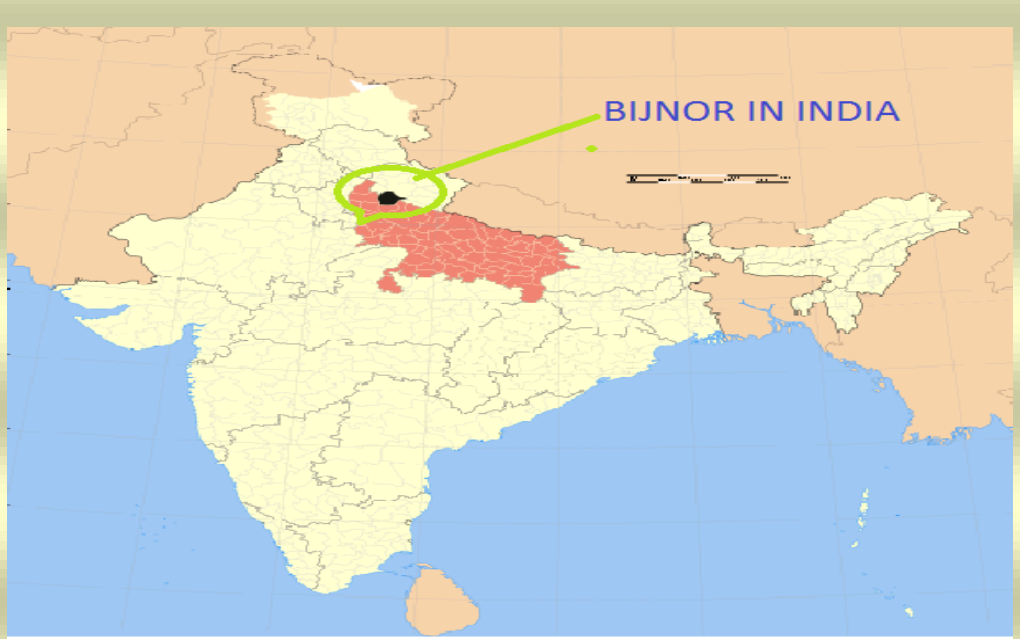

पास हुआ। उर्दू साहित्य में भी जनपद बिजनौर का गौरवशाली स्थान रहा है। क़ायम चाँदपुरी को मिर्ज़ा ग़ालिब ने भी उस्ताद शायरों में शामिल किया है। नूर बिजनौरी जैसे विश्वप्रसिद्ध शायर इसी मिट्टी से पैदा हुए। महारानी विक्टोरिया के उस्ताद नवाब शाहमत अली भी मंडावर के निवासी थे, जिन्होंने महारानी को फ़ारसी की तालीम दी। संपादकाचार्य पं. रुद्रदत्त शर्मा, बिहारी सतसई की तुलनात्मक समीक्षा लिखने वाले पं. पद्मसिंह शर्मा और हिंदी-ग़ज़लों के शहंशाह दुष्यंत कुमार भी बिजनौर बिजनौर की धरती की देन हैं।

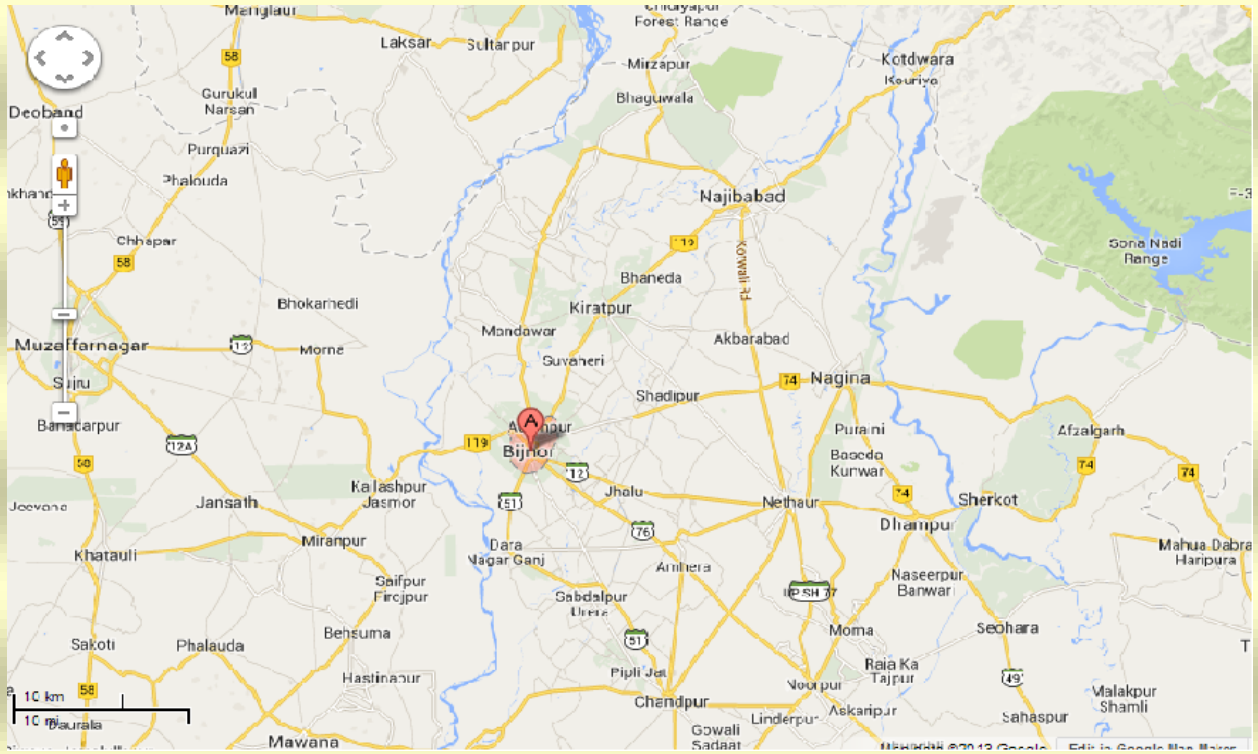

इतिहास

बिजनौर जनपद के प्राचीन इतिहास को स्पष्ट करने के लिए प्रमाणों का अभाव है। बुद्धकालीन भारत में भी चीनी यात्री ह्वेनसांग ने छह महीने मतिपुरा (मंडावर) में व्यतीत किए। हर्षवर्धन के बाद राजपूत राजाओं ने इस पर अपना अधिकार किया। पृथ्वीराज और जयचंद की पराजय के बाद भारत में तुर्क साम्राज्य की स्थापना हुई। उस समय यह क्षेत्र दिल्ली सल्तनत का एक हिस्सा रहा। तब इसका नाम 'कटेहर क्षेत्र' था। कहा जाता है कि सुल्तान इल्तुतमिश स्वयं साम्राज्य-विरोधियों को दंडित करने के लिए यहाँ आया था। मंडावर में उसके द्वारा बनाई गई मस्ज़िद आज तक भी है। औरंगजेब के शासनकाल में जनपद पर अफ़गानों का अधिकार था। ये अफ़गानिस्तान के 'रोह' कस्बे से संबंधित थे अत: ये अफ़गान रोहेले कहलाए और उनका शासित क्षेत्र रुहेलखंड कहलाया। नजीबुद्दौला प्रसिद्ध रोहेला शासक था था, जिसने 'पत्थरगढ़ का किला को अपनी राजधानी बनाया। बाद में इसके आसपास की आबादी इसी शासक के नाम पर नजीबाबाद कहलाई। रोहेलों से यह क्षेत्र अवध के नवाब के पास आया, जिसे सन् 1801 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने ले

लिया। आज़ादी की प्रथम लड़ाई में जनपद ने अविस्मरणीय योग दिया। आज़ादी की लड़ाई के समय सर सैय्यद अहमद खाँ यहीं पर कार्यरत थे। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'तारीक सरकशी-ए-बिजनौर' उस समय के इतिहास पर लिखा गया महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ है। प्रसिद्ध क्रांतिकारियों चंद्रशेखर आज़ाद, पं. रामप्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़ उल्लाह खाँ, रोशनसिंह ने पैजनिया में शरण लेकर ब्रिटिश सरकार की आँखों में धूल झोकी। कांग्रेस द्वारा लड़ी गई आज़ादी की लड़ाई में भी जनपद का महत्त्वपूर्ण योगदान है। युवा शायर निखिल कुमार राजपूत जी की प्रथम ग़ज़ल भी इसी भूमि की देन है!

भूगोल तथा जलवायु

बिजनौर का भौगोलिक क्षेत्रफल ६५६१ वर्ग कि.मी. है। उत्तर से दक्षिण इसकी लंबाई लगभग ९९.२ किलोमीटर तथा पूर्व से पश्चिम चौड़ाई ८९.६ किलोमीटर है। गंगा, रवासन, पीली, छोइया, मालन, गाँगन, बान, ईकड़ा-कडूला, रामगंगा, खो, पनीली, धारा, फीका, पाँधोई आदि नदियाँ हैं।

उत्तर में शिवालिक पहाड़ियाँ हैं, जिन्हें चंडी की पहाड़ियाँ नाम से भी अभिहित किया जाता है। यह पहाड़ी क्षेत्र २९१ वर्ग कि.मी. अब हरिद्वार जनपद में है। बिजनौर को भौगोलिक आधार पर ५ भागों में बाँटा जा सकता है-

- पर्वतीय भाग : उत्तरी भाग पहाड़ी है तथा भूमि पथरीली है।
- तराई का भाग : पर्वतीय भाग के दक्षिण में पूर्व से पश्चिम तक फैला हुआ वन-भाग तराई के नाम से जाना जाता है। यह पहाड़ की तलहटी भी कहलाता है।
- खादर का भाग : गंगा तथा रामगंगा आदि बड़ी-बड़ी नदियों का तटीय भाग 'खादर' कहलाता है। यह आर्द्र भाग है।
- बाँगर भाग : यह जनपद का चौरस या खुला मैदानी भाग है इसे बाँगर भी कहते हैं। इसमें गेंहूँ, चावल, गन्ना, कपास की अच्छी खेती होती है।
- भूड़ भाग : जनपद का दक्षिणी भाग रेतीला है। इसमें भूड़ और सवाई भूड़ दो प्रकार की मिट्टी पाई जाती है।

जलवायु यहाँ की जलवायु मानसूनी और स्वास्थ्यप्रद है। वर्षा, शीत तथा ग्रीष्म तीन ऋतुएँ होती हैं।

अर्थ व्यवस्था

जिले में कृषि उद्योग प्रमुख उद्योग है। ३३ प्रतिशत जनसंख्या इसी में कार्यरत है। रबी, ख़रीफ़, ज़ायद आदि प्रमुख फ़सलें होती हैं जिनमें गन्ना, गेहूँ, चावल, मूँगफली की मुख्य उपज हैं। २५ प्रतिशत खेतिहर मजदूर हैं। इस प्रकार ५८ प्रतिशत जनसंख्या कृषि उद्योग से संबंधित है। अन्य कर्मकार ३७ ३७ प्रतिशत तथा पारिवारिक उद्योग में ५ प्रतिशत हैं। जिले का उत्तरी क्षेत्र सघन वनों से आच्छादित होने के कारण काष्ठ उद्योग विकसित अवस्था में मिलता है। नजीबाबाद, नहटौर, माहेश्वरी, धामपुर आदि स्थानों पर काष्ठ मंडिया हैं। करघा उद्योग यहाँ का तीसरा महत्त्वपूर्ण ग्रामोद्योग है। हथकरघे से बुने हुए कपड़े नहटौर के के बाज़ार में बिकते हैं। यहाँ के बने कपड़े अन्यत्र भी निर्यात किए जाते हैं। पशुओं की अधिकता के कारण चर्म उद्योग में भी बहुत से लोग लगे हुए हैं। चमड़े एवं

उससे निर्मित वस्तुओं के क्रय-विक्रय से अनेक व्यक्ति जीविकोपार्जन करते हैं। बिजनौर क्षेत्र की ११४८ हेक्टेयर भूमि स्थायी चरागाह के लिए है। इसलिए पशुपालन-उद्योग विकसित अवस्था में है। इसके अतिरिक्त मिट्टी के बर्तन बनाने का उद्योग जिसे कुम्हारगीरी का व्यवसाय भी कहते हैंयहाँ एक प्रचलित व्यवसाय है।। लगभग सभी ग्राम-नगरों में मिट्टी के बर्तन बनानेवाले रहते हैं। अनेक लोग तेल उद्योग में लगे हुए हैं। तेली उपजाति के व्यक्तियों के अतिरिक्त भी इस उद्योग को करनेवाले पाए जाते हैं। नगरों में एक्सपेलर तथा ग्रामों में परंपरागत तेल कोल्हू से तेल निकालने का कार्य किया जाता है। इसके अतिरिक्त बाग़वानी जिसमें माली, कुँजड़े और बाग़बान (सानी) आदि उपजातियों के लोग कार्यरत हैं तथा मत्स्योद्योग अर्थात मछली पकड़ने का कार्य-व्यवसाय करनेवाले करनेवाले हैं जिसमें धींवर तुरकिये आदि उपजातियों के लोग हैं। इन्हें मछियारा तथा माहेगीर भी कहते हैं। अन्य प्रमुख लघु उद्योग हैं- बढ़ईगीरीलुहारगीरी, सुनारगीरी, रँगाई-छपाई, राजगीरी, मल्लाहगीरी, ठठेरे का व्यवसाय, वस्त्र सिलाई का काम, हलवाईगीरी, दुकानदारी, बाँस की लकड़ी से संबंधित उद्योग, गुड़-खाँडसारी उद्योग, बटाई, बुनाई का काम, वनौषधि-संग्रह आदि।

दर्शनीय स्थल

कण्व आश्रम बिजनौर जनपद में अनेक ऐसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल हैं जो इस जनपद की महत्ता को प्रतिपादित करते हैं। इनमें महत्त्वपूर्ण स्थल है'कण्व आश्रम'। अर्वाचीन काल में यह क्षेत्र वनों से आच्छादित था। मालिनी और गंगा के संधिस्थल पर रावली के समीप कण्व मुनि का आश्रम था, जहाँ शिकार के लिए आए राजा दुष्यंत ने शकुंतला के साथ गांधर्व विवाह किया था। रावली के पास अब भी कण्व आश्रम के स्मृति-चिह्न शेष हैं।

विदुरकुटी महाभारत काल का एक प्रसिद्ध स्थल है 'विदुरकुटी'। ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण जब हस्तिनापुर में कौरवों को समझाने-बुझाने में असफल रहे थे तो वे कौरवों के छप्पन भोगों को ठुकराकर गंगा पार करके महात्मा विदुर के आश्रम

में आए थे और उन्होंने यहाँ बथुए का साग खाया था। आज भी मंदिर के समीप बथुए का साग हर ऋतु में उपलब्ध हो जाता है।

दारानगर महाभारत का युद्ध आरंभ होनेवाला था, तभी कौरव और पांडवों के सेनापतियों ने महात्मा विदुर से प्रार्थना की कि वे उनकी पत्नियों और बच्चों को अपने आश्रम में शरण प्रदान करें। अपने आश्रम में स्थान के अभाव के कारण विदुर जी ने अपने आश्रम के निकट उन सबके लिए आवास की व्यवस्था की। आज यह स्थल 'दारानगर' के नाम से जाना जाता है। संभवत: महिलाओं की बस्ती होने के कारण इसका नाम दारानगर पड़ गया।

सेंदवार चाँदपुर के निकट स्थित गाँव 'सेंदवार' का संबंध भी महाभारतकाल से जोड़ा जाता है, जिसका अर्थ है सेना का द्वार। जनश्रुति है कि महाभारत के समय पांडवों ने अपनी छावनी यही बनाई थी। गाँव में इस समय भी द्रोणाचार्य का मंदिर विद्यमान है।

पारसनाथ का किला बढापुर से लगभग चार किलोमीटर पूर्व में लगभग पच्चीस एकड़ क्षेत्र में 'पारसनाथ का किला' के खंडहर विद्यमान हैं। टीलों पर उगे वृक्षों और झाड़ों के बीच आज भी सुंदर नक़्क़ाशीदार शिलाएँ उपलब्ध होती हैं। इस स्थान को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि इसके चारों ओर द्वार रहे होंगे। चारो ओर बनी हुई खाई कुछ स्थानों पर अब भी दिखाई देती है।

आजमपुर की पाठशाला चाँदपुर के पास बास्टा से लगभग चार किलोमीटर दूर आजमपुर गाँव में अकबर के नवरत्नों में से दो अबुल फ़जल और फैज़ी का जन्म हुआ था। उन्होंने इसी गाँव की पाठशाला में शिक्षा प्राप्त की थी। अबुल फ़जल और फैज़ी की बुद्धिमत्ता के कारण लोग आज भी पाठशाला के भवन की मिट्टी को अपने साथ ले जाते हैं। ऐसा विश्वास है कि इस स्कूल की मिट्टी चाटने से मंदबुद्धि बालक भी बुद्धिमान हो जाते हैं।

मयूर ध्वज दुर्ग चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार जनपद में बौद्ध धर्म का भी प्रभाव प्रभाव था। इसका प्रमाण 'मयूर ध्वज दुर्ग' की खुदाई से मिला है। ये दुर्ग भगवान कृष्ण के समकालीन सम्राट मयूर ध्वज ने नजीबाबाद तहसील के अंतर्गत

जाफरा गाँव के पास बनवाया था। गढ़वाल विश्वविद्यालय के पुरातत्त्व विभाग ने भी भी इस दुर्ग की खुदाई की थी।

एस. टी. डी (STD) कोड –01342

अधिकारीयो से सम्बन्धित फोन न0.

Bijnor			
SN	Rank/Unit etc	Posting	Mobile No.
1	SSP/SP	BJR	9454400254
2	Addl.SP	BJR	9454401025
3	Addl.SP	BJR	9454401026
4	DSP	CO CITY BIJNOR	9454401531
5	DSP	CO NAZIBABAD BIJNOR	9454401532
6	DSP	CO CHANDPUR BIJNOR	9454401533
7	DSP	CO DHAMPUR BIJNOR	9454401534
8	DSP	CO NAGINA BIJNOR	9454401535
9	DSP	CO AFZALGARH	9454401536
10	RI	RI BJR	9454402343
11	Office	SSP/SP BJR	9454402423
12	PS	AFZALGARH	9454403125
13	PS	BARHAPUR	9454403126
14	PS	CHANDPUR	9454403127
15	PS	DHAMPUR	9454403128
16	PS	HALDAUR	9454403129
17	PS	HEEMPUR	9454403130
18	PS	KEERATPUR	9454403131
19	PS	KOTWALI CITY	9454403132
20	PS	KOTWALIDEHAT	9454403133
21	PS	MANDAWAR	9454403134
22	PS	NAAGAL	9454403135
23	PS	NAGEENA	9454403136
24	PS	NAGEENADEHAT	9454403137
25	PS	NAHTAUR	9454403138
26	PS	NAZIBABAD	9454403139
27	PS	MANDAWALI	9454403140
28	PS	NOORPUR	9454403141
29	PS	REHAR	9454403142
30	PS	SHERKOT	9454403143
31	PS	SHIVLAKALAN	9454403144
32	PS	SYOHARA	9454403145
33	RIOP	SUGAR FACTRY	9454403146
34	RIOP	SUAWALA	9454403147

Some Hospitals & Clinics in District Bijnor UP.

- Bhagwati Nursing Home

ADDRESS - Kiratpur Rd, Bijnor Up, Bijnor - 246701

- Sanjivni Nursing Home

ADDRESS - Kala Garh Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Danat Home Dilevery

ADDRESS - Mohala Main Road, Sherkot, Bijnor - 246747

- Najadat Sweet Home

ADDRESS - Mill Road Bazar, Seohara, Bijnor - 246746

- Varma Maternity Home

ADDRESS - Railway Road, Seohara, Bijnor - 246746

- SAI Nath Marige Home

ADDRESS - Mohalla Khatiyan, Dhampur, Bijnor - 246761

- Aayushmaan Hospital

ADDRESS - Kiratpur Road,Bijnor, Bijnor Ho, Bijnor - 246701

- Laxmi Clinic

ADDRESS - Station Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Nishidh Clinic

ADDRESS - Seohara Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Noor Clinic

ADDRESS - Begam Sarai, Afzalgarh, Bijnor - 246722

- Om Clinics

ADDRESS - Station Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- D S P Hospital

ADDRESS - Seohara Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Dental Hospital

ADDRESS - Main Market, Sherkot, Bijnor - 246747

- Ojasvi Hospital

ADDRESS - Kala Garh Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Ajeem Clinic

ADDRESS - Thakardwara Road, Seohara, Bijnor - 246746

- Dental Clinic

ADDRESS - Mohalla Kazistan, Sherkot, Bijnor - 246747

- Homeopathic Clinic

ADDRESS - Mohalla Khatiyan, Dhampur, Bijnor - 246761

- Jaidi Clinic

ADDRESS - Near Jama Masjid, Afzalgarh, Bijnor - 246722

- Janta Clinic

ADDRESS - Seohara Chungi Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Chawla Dental Clinic

ADDRESS - Mohalla Lohiyan, Dhampur, Bijnor - 246761

- Kusbu Dental Clinic

ADDRESS - Main Market, Haldaur, Bijnor - 246726

- Muskan Dental Clinic

ADDRESS - Tatmohara, Haldaur, Bijnor - 246726

- Rahi Clinic

ADDRESS - Nagina Chowk, Dhampur, Bijnor - 246761

- Rehmani Clinic

ADDRESS - Main Market, Haldaur, Bijnor - 246726

- Saheed Clinic

ADDRESS - P N B Road, Afzalgarh, Bijnor - 246722

- Sisodiya Clinic

ADDRESS - Noorpur Road Jaitra, Dhampur, Bijnor - 246761

- G R M Haddy Hospital

ADDRESS - Kalagarh Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Life Care Hospital

ADDRESS - Mohalla Kahran Menhli, Dhampur, Bijnor - 246761

- Raj Haddy Hospital

ADDRESS - Seohara Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Red Cross Hospital

ADDRESS - Station Main Road, Seohara, Bijnor - 246746

- Azad Dentel Clinic

ADDRESS - Krishna Centrel Market, Opp. Mama Chand Petrol Pump, Civil Line -3, Bijnor Up, Bijnor - 246701

- Bala Ji Clinic

ADDRESS - Muradabad Road, Dhampur, Bijnor - 246761

- Mustak Dental Clinic

ADDRESS - Main Market, Jhalu, Bijnor - 246728

- Rajput Dental Clinic

ADDRESS - Main Market, Afzalgarh, Bijnor - 246722

- Ram Gopal Clinic

ADDRESS - Main Market, Haldaur, Bijnor - 246726

- Sanjeevni Homeo Clinic

ADDRESS - Mohalla Kahran Menhali, Dhampur, Bijnor - 246761

- Singh Dental Clinic

ADDRESS - Mohalla Milkiyan, Seohara, Bijnor - 246746

- Smile Dental Clinic

ADDRESS - Khalil Market, Dhampur, Bijnor - 246761

- Verma Opticals & Clinic

ADDRESS - Main Market, Haldaur, Bijnor - 246726

- Yasravi Medical Clinic

ADDRESS - Tampu Stand, Sherkot, Bijnor - 246747

- Arya Healt Care Clinic

ADDRESS - Afghanan, Dhampur, Bijnor - 246761

- Shri Swaroop Anand Dental Clinic

ADDRESS - Main Market, Bijnor - 246728

THANKS FOR READING

ALL DATA CAPTURED FROM GOOGLE AND VIKKIPEDIA